योगशास्त्रम् भाग-१ (फोल्डर नं. ००१५२८)

मुख्य टाइटल

ग्रन्थानुक्रम

પ્રસ્તાવના -- १-२५

પ્રાક્કથન --- २६

पुरोवचनम् -- २७-४५

शुद्धिपत्रकम् -- ४५-४७

सम्पादनोपयुक्तग्रन्थसूचिः संकेतविवरणं च -- ४७-४९

विषयानुक्रमः -- ५०-५२

योगशास्त्रम् (प्रथमो विभागः) --- १-४२४

प्रथम प्रकाशः -- १-१६०

मङ्गलम् -- १-३

योगगर्भिता भगवतो महावीरस्य स्तुतिः -- ३

भगवतो महावीरस्य समदृष्टि-करुणादृष्टिगर्भितं चरितम् -- ४-११

चण्डकौशिककथानकम् -- १२-१६

संगमकदेवकृतोपसर्गादिवर्णनम् -- १७-३१

योगशास्त्रस्य प्रस्तावः -- ३१

योगमाहात्म्यम् -- ३२-३४

योगफलप्राप्तौ सनत्कुमारचक्रियचरितम् -- ३४-३९

लब्धिस्वरूपम् --- ३९-४६

योगमाहात्म्योपरि भरतचक्रिकथादिनाथचरितगर्भा -- ४६-९१

योगप्रभावोपरि मरुदेवादृष्टान्तः -- ९१-९२

योगमाहात्म्योपरिदृप्रहारिकथा --- ९३-९७

योगश्रद्धावर्धनोपरि चिलातीपुत्रकथा --- ९७-१०४

योगस्तुतिः तल्लक्षणं च रत्नत्रयम् --- १०५

सम्यग्ज्ञानस्वरूपम् -- १०६

जीवादिसप्ततत्त्वस्वरूपम् --- १०७-११३

मत्यादिपञ्चज्ञानस्वरूपम् --- ११३-११४

सम्यग्दर्शनलक्षणँ तत्स्वरूपं च -- ११४-११६

सम्यक्चारित्रस्वरूपम् -- ११६

महाव्रतरूपमूलगुणस्वरूपम् -- ११६-१२०

महाव्रतानां भावनाः -- १२१-१२७

उत्तरगुणरूपचारित्रस्वरूपम् -- १२८

पञ्चसमितिस्वरूपम् द्वितचत्वारिंशद्भिक्षादोषाश्च -- १२८-१४०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

गुप्तित्रयस्वरूपम् ---------- १४०-१४४
धर्माधिकारिश्रावकलक्षणम् ---------- १४४-१६०
द्वितीयः प्रकाशः ---------- १६१-४२४
द्वादशव्रतनामानि---------- १६१
सम्यक्त्वस्वरूपं तद्भेदाश्च ---------- १६२-१६४
मिथ्यात्वस्वरूपं तद्भेदाश्च ---------- १६४-१६६
सुदेवलक्षणम्---------- १६६-१६९
कुदेवलक्षणम् ---------- १६९-१७२
सुगुरुलक्षणम् ---------- १७२-१७३
कुगुरुलक्षणम् ---------- १७३-१७४
सद्धर्मलक्षणम्---------- १७४-१७५
अपौरुषेयवचननिरासः ---------- १७५-१७७
असद्धर्मलक्षणम्---------- १७७
कुदेवादीनां प्रतिक्षेपः ---------- १७८
सम्यक्त्वलिङ्गपञ्चकम्---------- १७८-१८३
सम्यक्त्वभूषणपञ्चकम् ---------- १८४-१८६
सम्यक्त्वदूषणपञ्चकम्---------- १८६-१९०
अणुव्रतस्वरूपं तद्भङ्गाश्च ---------- १९१-१९४
हिंसात्यागोपदेशः ---------- १९४-२००
हिंसाकर्तुर्निन्दा---------- २००-२०२
हिंसोपरि सुभूम-ब्रह्मदत्तयोः कथा ---------- २०२-२५१
पुनर्हिंसाकर्तुर्निन्दा---------- २५१
कुलक्रमागतहिंसात्यागे दर्दुराङ्कदेवचरित्र... ---------- २५२-२६४
हिंसाकर्तुर्दमादयो निरर्थकाः---------- २६४
हिंसकशास्त्रनिरूपणम्---------- २६४-२६६
हिंसाशास्त्रोपदेशकनिन्दा---------- २६७-२६९
श्राद्धीयहिंसाप्ररूपण् ---------- २७०-२७२
अहिंस्रस्य स्तुतिः फलं च ---------- २७३
अहिंसाफलम्---------- २७४-२७५
सत्यव्रतस्वरूपम्---------- २७५-२७७
असत्यस्य फल तद्भेदाश्च---------- २७८-२७९
असत्यस्यैहिकामुष्मिकफलम्---------- २७९-२८०
सत्यासत्यविषये कालिकार्यवसुराजकथा ---------- २८०-२८८
परपीडाकारि सत्यमपि त्याज्यम्,... ---------- २८९
असत्यवादिनिनदा सत्यवादिस्तुतिश्च ---------- २९०-२९३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अचौर्यव्रतस्वरूपम् ---------- २९३-२९४
हिंसातोपि चौर्यस्य बहुदोषत्वम् ---------- २९४-२९५
चौर्ये मण्डिकस्याचौर्ये च रौहिणेयस्य कथा ---------- २९६-३२८
चौर्यनिवृत्तस्य फलम् ---------- ३२९-३३०
ब्रह्मव्रतस्वरूपम् ---------- ३३०
मैथुनदोषाः ---------- ३३१-३३४
स्त्रियाः दोषाः ---------- ३३५-३३७
वेश्यादोषाः ---------- ३३८-३४०
परदारगमनदोषाः ---------- ३४०-३४३
परस्त्रीरमणेच्छायामपि दोषास्तदुपरि रावणकथा ---------- ३४४-३६६
परस्त्रीविरतसुदर्शनकथा ---------- ३६६-३८१
मैथुनासक्तस्त्रीपुंसयोरुपदेशः फलं च ---------- ३८२
ब्रह्मचर्यस्योभयलोकफलं कामरागत्यागोपदेशश्च ---------- ३८३-३८७
परिग्रहस्वरूपम् ---------- ३८७-३८९
परिग्रहदोषाः ---------- ३८९-३९४
परिग्रहोपरि सगर-कुचिकर्ण-तिलक-नन्दकथानकानि ---------- ३९४-४०२
संतोषोपरि अभयकुमारकथा ---------- ४०३-४२०
संतोषस्तुतिः ---------- ४२१-४२४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org